C-10 U-3 Creating an Inclusive School

Q. सहकारी अधिगम (Co-operative Learning) क्या है? सहकारी अधिगम के आवश्यक तत्वों का वर्णन करें। What is Cooperative Learning? What are the important elements of Cooperative Learning?)

Ans. सहकारी अधिगम कक्षा की क्रियाओं के संचालन या संगठन का एक उपागम है। ये 2 क्रियाएँ शैक्षणिक और सामाजिक अधिगम अनुभवों के रूप में हो सकती है। विद्यार्थियों को दो समूहों में संयुक्त रूप से कार्य करनी चाहिए। इसमें हर समूह की सफलता के साथ ही हर व्यक्ति की सफलता होती है।

सहकारी अधिगम छोटे समूहों का अनुदेशनात्मक उपयोग है ताकि वे विद्यार्थी अपने स्वयं का और दूसरों की अधिगम अधिकतम हो जाये। इसके अन्तर्गत कक्षा के सदस्यों को छोटे समूहों में संगठित कर दिया जाता है। यह सब अध्यापक से निर्देश मिलने के बाद किया जाता है। इसके पश्चात वे सभी उस कार्य को सफलतापूर्वक समझ नहीं लेते और उसे पूरा नहीं कर लेते। सहकारी प्रयासों के अन्तर्गत सभी समूह सदस्यों की इसमें भागीदारी होती है तथा समूह के सभी सदस्य एक-दूसरे के प्रयासों से लाभ उठाते हैं। सभी समूह-सदस्यों का साँझा भाग्य होता है।

सहकारी अधिगम परिस्थिति में लक्ष्य प्राप्ति के लिये विद्यार्थियों में सकारात्मक अन्तर्निर्भरता होती है तथा विद्यार्थी यह धारणा बनाते हैं कि वे अपने अधिगम लक्ष्य तक तभी पहुँच सकते हैं यदि अन्य विद्यार्थी भी अपने अधिगम-समूह में अपने अधिगम लक्ष्यों तक पहुँचे।

सहकारी अधिगम के आवश्यक तत्व :- सहकारी अधिगम के आवश्यक तत्व निम्नलिखित हैं :-

(i) सकारात्मक अन्तः निर्भरता (Positive Interdependent)
(ii) प्रोत्साहक अन्तक्रिया (Promotive or Inspiring Interaction)
(iii) वैयक्तिक और सामूहिक जवाबदेही (Individual and Group Accountability) :-
(iv) वांछित अन्तः वैयक्तिक और लघु समूह कौशलों शिक्षण (Teaching of Required Interpersonal and Small Group Skills)
(v) सामूहिक प्रोसेसिंग (Group Processing)

(i) सकारात्मक अन्तः निर्भरता (Positive Interdependence) → सकारात्मक अन्तः निर्भरता से अभिप्राय उस सोच से है जब समूह के सदस्य यह सोचने (Perceive) लगते हैं कि वे सभी एक-दूसरे से इस प्रकार जुड़े हुए हैं कि कोई भी व्यक्ति हर किसी की सफलता के बिना सफल नहीं होगा।

(ii) प्रोत्साहन अन्तः क्रिया (Promotive or Inspiring Interaction) → विद्यार्थी वास्तविक कार्य इकट्ठे करना चाहते हैं। जिसमें वे साधनों को आपस में बाँटकर और सहायता करके, समर्थन करके, प्रोत्साहित करके तथा हर किसी के प्रयास की प्रशंसा करके उनकी सफलता को प्रोत्साहित करते हैं। जब विद्यार्थी हर किसी के अधिगम को प्रोत्साहित करेंगे तभी महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक क्रियाएँ (Cognitive Activities) और अन्तर्वैयक्तिक गतिशीलता

(Interpersonal Dynamics) उत्पन्न होती है।

(iii) वैयक्तिक और सामूहिक जवाबदेही (Individual and Group Accountability):- सहकारी पाठों (Co-operative Lessons) में दो प्रकार की जवाबदेही (Accountability) अवश्य हो। समूह की लक्ष्य अर्जित करने के प्रति जवाबदेही अवश्य हो तथा हर सदस्य की कार्य में अपने हिस्से के योगदान के प्रति जवाबदेही अवश्य हो। व्यक्तिगत जवाबदेही (Individual Accountability) तब होती है जब हर व्यक्ति के निष्पादन (Performance) का मूल्यांकन किया जाता है तथा परिणाम समूह को तथा व्यक्ति को वापिस लौटाये जाते है ताकि यह तय किया जा सके कि किसे अधिगम में और सहायता, समर्थन और प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

(iv) वांछित अन्तः वैयक्तिक और लघु समूह कौशलों का शिक्षण (Teaching of Required Interpersonal and Small Group skills):- सहकारी अधिगम प्रतिस्पर्धात्मक या वैयक्तिक अधिगम (Competitive or Individualistic Learning) की अपेक्षा अधिक जटिल है क्योंकि विद्यार्थियों को एक साथ शैक्षिक तथा विषय-वस्तु के अधिगम और टीम कार्य अर्थात् समूह के रूप में प्रभावशाली ढंग से कार्य करने में व्यस्त रहना पड़ता है। जब सहकारी पाठों (Co-operative Lessons) का प्रयोग किया जाता है तब सामाजिक कौशल किसी जादू से सामने नहीं आ जाते

बल्कि विद्यार्थी को सामाजिक कौशल सिखाने पड़ते हैं। नेतृत्व, निर्णय लेना, विश्वास पैदा करना, सम्प्रेषण, द्वंद्व-प्रबन्धन कौशल (Conflict Management skills) विद्यार्थी को शैक्षिक कार्य और टीम-कार्य सफलतापूर्वक करने के योग्य बनाते हैं।

(v) सामूहिक प्रोसेसिंग (Group Processing):- सामूहिक प्रोसेसिंग तब होती है जब समूह-सदस्य इस बात पर बहस करते हैं कि वे अपने लक्ष्य किस प्रकार अर्जित कर रहे हैं और अपने प्रभावी कार्यकारी संबंध (Working Relationships) किस प्रकार बनाये रखते हैं। समूहों का यह बहस करना आवश्यक होता है कि सदस्यों की कौन-सी क्रियाएं सहायक और असहायक हैं तथा इस पर निर्णय लिया जाता है कि किस व्यवहार को जारी रखा जाये और किसे बदला जाये। अधिगम प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार तभी होता है।

जब इस बात का ध्यानपूर्वक विश्लेषण किया जाता है कि वे सदस्य इकट्ठे कार्य कैसे कर रहे हैं तथा यह निर्धारित किया जाता है कि समूह प्रभावशीलता को कैसे बढ़ाया जा सकता है। इस प्रकार प्रोसेसिंग (Processing) तब है जब विद्यार्थी समूह के रूप में अपने प्रयासों का मूल्यांकन करते हैं और अपने सामाजिक कौशलों में सुधार के क्षेत्रों को निश्चित करते हैं।